MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE

Government Commercial Certificate Examination

3 JULY, 2018

[Time : 09-00]

(Total Marks for Sections I and II : 100)

HINDI TYPEWRITING

(30 Words Per Minute)

SECTION - II

(Time Allowed : 7 Minutes)

हिंदी टंकलेखन

(३० शब्द प्रति मिनट)

विभाग - २

(समय : ७ मिनट)

सूचना : गति परिच्छेद को दुबारा टंकित मत कीजिए । निम्नांकित गद्यखण्ड को द्विपंक्ती अंतर पद्धति से टंकित कीजिए। बायीं ओर १५ स्पेस का हाशिया (मार्जिन) छोड़िए ।

[अंक : ४०]

प्रेमचंद का जन्म एक गरीब घराने में काशी से चार मील दूर लमही नामक गाँव में हुआ था । उनके पिता डाक-मुंशी थे ।

सात साल की अवस्था में माता का और चौदह की अवस्था में पिता का देहान्त हो गया । घर में यों ही बहुत गरीबी थी, पिता के देहान्त के बाद उनके सिर पर कठिनाइयों का पहाड़ टूट पड़ा । रोटी कमाने की चिन्ता बहुत जल्दी उनके सिर पर आ पड़ी । ट्यूशन कर-करके उन्होंने मेट्रिक पास किया और फिर बाकायदा स्कूल मास्टरी की ओर निकल गये । नौकरी करते हुए उन्होंने एम.ए. और बी.ए. पास किया । एम.एड्. भी करना चाहते थे, पर कर नहीं सके ।

स्कूल-मास्टरी के रास्ते पर चलते-चलते सन "२१ में वह गोरखपुर में डिप्टी इंस्पेक्टर स्कूल थे । जब गांधीजी ने सरकारी नौकरी से इस्तीफे का बिगुल बजाया, उसे सुनकर प्रेमचंद ने भी फौरन इस्तीफा दे दिया । उसके बाद कुछ रोज उन्होंने कानपुर के मारवाड़ी स्कूल में काम किया, पर वह चल नहीं सके । अन्तिम दिनों के एक वर्ष छोड़कर, सन् ३४-३५ जो बम्बई की फिल्मी दुनिया में बीता, उनका पूरा समय बनारस और लखनऊ में गुजरा, जहाँ उन्होंने अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन किया ।